Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बाहर से आने वाले प्रवासी नागरिकों को करनी पड़ेगी प्रतीक्षा

जिला प्रशासन ने बनायी रणनीति प्रवासी नागरिकों की बढ़ती तादात को लेकर

प्रतीक्षा

■प्रवासी नागरिकों को अपने घरों को जाने के लिए करनी पड़ेगी थोड़ी प्रतीक्षा

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। मुख्यालय में बाहरी जिलों में फंसे प्रवासी नागरिकों का आना शुरू हो चुका है। बता दें कि अब बाहर से आने वाले प्रवासी नागरिकों को अपने अपने घरों को जाने के लिए अभी थोड़ी प्रतीक्षा और करनी पड़ेगी। जानकारी के मुताबिक बाहर से आने वाले प्रवासी नागरिक अब सीमांत प्रवेश करने के बाद अपने घरों में सीधे नही जा पायेंगे।

जानकारी के मुताबिक जिले में आने वाले प्रवासी नागरिकों की बढ़ती तादात को लेकर जिला प्रशासन ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इन लोगों को 14 दिनों तक अनिवार्य तौर पर क्वारंटाइन का पूर्ण तरीके से पालन करना होगा। जहां एक ओर छूट मिलने के कारण बाहरी जिलों से प्रवासी नागरिकों का जिले में भारी तादात में नजर आयेगी वही मौके पर उन पर प्रशासन की निगरानी और भी बढ़ जायेगी। जानकारी के मुताबिक बाहर से आने वाले लोगों की जिले के प्रवेश द्वार पर स्केनिग अनिवार्य कर दी है।

मुख्यालय में अब 15 बसों से 329 लोग बाहरी जिलों से पहुंच चुकेहै। वही ये लोग सीधे आने अपने घर नही भेजे गये बल्कि इन लोगों को जांच करने के तुरंत बाद घर के ही नजदीक बने क्वारंटाइन में भेजा गया। मुख्यालय में दोपहर से शाम तक बसों की आवाजाही बरकरार रही। प्रथम चरण में स्थानीय लोगों को पहले लाया जा रहा है। दूसरी ओर बाहरी राज्य से आने वाले लोगों को लाया गया। दून से आने वाले यात्रियों की जांच घाट चौकी व प्रवेश द्वार ऐंचोली में हो रही हैं। वही संबधित को स्केनिग के बाद उनके तहसील तक ले जाया जा रहा है। इन लोगों को 14 दिन के क्वारंटाइन के तौर पर नजदीक स्कूली भवनों व पंचायत घरों में और सार्वजनिक भवनों में रखा जा रहा है। अब भोजन की व्यवस्था संबधित के परिवार को खुद करनी पड़ेगी। जानकारी के मुताबिक इनकी देखभाल के लिए राजस्व उपनिरीक्षक व ग्रम पंचायत अधिकारी और ग्रम प्रहरी को जिम्मेदारी सौपी गई है। रेड जोन से आने वाले प्रवासी नागरिक को संस्थागत क्वारंटाइन में रखा जायेगा। इन लोगों को आरोग्य सेतु एप अनिवार्य रूप से लोड करने की हिदायत दी गई है। जानकारी के मुताबिक जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन अधिकारी को बाहर से आने वाले प्रवासियों की सूची तैयार करने की अनुमति दे दी है।

मुख्यालय के स्वास्थ विभाग को जिलाधिकारी ने 500 पीपीई किट खरीदने को निर्देश दे दिया है। मुख्यालय में अब तक बाहर से आने वाले व बाहर को जाने वाले प्रवासियों द्वारा भारी तादात में रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। जनपद की कोतवाली में अब तक यूपी और बिहार के लगभग 600 मजदूर अपना रजिस्ट्रेशन करा चुके है। वही देर सांय तक इनको इनके निकटतम गंतव्य तक भेजे जाने के समाचार मिले है।

न्यूज डायरी

जनपद में 1218 निर्माण कार्य हुए शुरू

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में लाकडाउन के चलते बंद हुए 1218 कार्यो को प्रशासन ने शुरू करने की अनुमति दे दी है। वही ऐसे में कार्य त्वरित गति से होगें। बता दें कि पहले चरण में मनरेगा के कार्य व सडक निर्माण कार्य और नगर निकायों में सौन्दर्यकरण के कार्य को शुरू कराने की अनुमति कमल चुकी है। वही जिला प्रशासन ने निर्माण कार्यो के लिए निर्माण सामग्री की पूर्ति के लिए विभागों को आवश्यक निर्देश दिये।

चालकों के क्वारंटाइन से बढ़ी दिक्कते

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में गंभीर रोगियों को उपचार के लिए बाहर के अस्पतालों में ले जाने वाले एंबुलेंस के चालकों को होम क्वारंटाइन में भेजे जाने से जिले में एंबुलेंस खडी हो गई है। वही चालकों को भी होम क्वारंटाइन में रहने की समस्या पैदा हो गई। बता दें कि जिले में एक दर्जन से ज्यादा एंबुलेस है। वही जिले में गंभीर रोगों के इलाज की कोई सेवा न हो पाने के कारण अधिकांश रोगियों को इलाज के लिए हल्द्वानी बरेली व दिल्ली ले जाना ऐसे समय में मजबूरी हो जाता है। बता दें कि बाहर से रोगियों को ले जाकर दिखानेआने वाले एंबुलेस चालकों को होम क्वारंटाइन के सख्त आदेश दिये गये। वही ऐसे में ऐबुलेंस मालिक परेशान हो चुके है। वही प्रशासन ने इस मामले को स्वास्थ विभाग का मामला बताकर आगे जांच कराने के बाद लक्षण मिलने पर क्वारंटाइन कराये जाने की बात कही है।

जरूरतमंदों की सेवा कर रहा जगतबंधु सेवा ट्रस्ट

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस कोविड 19 के चलते सबका योगदान सामने आया, मगर एक समाज सेवी संस्था ऐसी भी जिसने दिल से फर्ज निभाया है और उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। जगतबंधु सेवा ट्रस्ट संस्था लॉकडाउन के दौरान लगातार जरूरतमंदों की सेवा करती हुई आ रही है। यहां कोरोना वायरस कोविड 19 एक वैश्विक महामारी के रूप में उभरकर सामने आयी है जिससे विश्व के लगभग सभी देश संक्रमण की मार झेल रहे है द्य इसी संक्रमण से देश की पूरी मानव जाति को सुरक्षित करने के लिए सरकार के साथ साथ कई सामाजिक संस्था भी गरीब मजदूर विधवा विकलांग बेशहारा लोगो की मदद के लिए आगे आये इन्ही मे एक संस्था ऐसी भी है जो खुद तो सामने नही आई मगर इस लॉकडाउन के दौरान हजारों का पेट भरने मे मिल का पत्थर साबित हुइ है। इस अवसर पर जानकारी देते हुए एनएपीएसआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान ने बताया कि यह संस्था जगतबन्धु सेवा ट्रस्ट और उसके संस्थापक सुमित कुमार प्रजापति की है।

एचडीएफसी बैंक ने सीएम को दिया 1 करोड़ का चेक

देहरादून। कोविड 19 के दृष्टिगत एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. ने उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हेतु 01 करोड़ रूपये का चेक दिया है। यह चेक मंगलवार को एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. के उपाध्यक्ष स्वदेश रंजन एवं गवर्मेट बिजनेस हेड उत्तराखण्ड गौरव जैन ने मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत को सौंपा।

ऑनलाइन परीक्षा न कराये जाने को जिलाधिकारी से शिकायत

एनएसयूआई ने ज्ञापन सौंपकर की कार्यवाही की मांग

संवाददाता

देहरादून। एनएसयूआई ने शिक्षांकुर द ग्लोबल स्कूल में ऑनलाइन परीक्षा न कराये जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस पर कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ ममगांई के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिलाध्किारी कार्यालय में इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने शिक्षांकुर द ग्लोबल स्कूल में ऑनलाइन परीक्षा न कराने के संबंध में जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन में कहा कि कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी में लॉकडाउन के चलते सभी विद्यालय कुछ समय से बंद पड़े हैं कथित तौर पर कुछ विद्यालयों में ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था है एवं कक्षा एक से कक्षा 9 तक के सभी विद्यार्थियों को प्रोमोट कर अगली कक्षा में प्रवेश करने की व्यवस्था की जा रही है।

इस अवसर पर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ ममगांई ने कहा है कि इसी क्रम में शिक्षांकुर द ग्लोबल स्कूल देहरादून द्वारा अभिभावकों को छात्रों के परीक्षा कराने के लिए नोटिस जारी किया गया है जो कि 11 मई से कराना निश्चित किया गया है जो पूर्ण रूप से गलत है और ऑनलाइन परीक्षा को तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों के समांतर तौर पर शिक्षांकुर स्कूल को भी कक्षा एक से कक्षा 9 तक के छात्रों प्रमोट करने की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए व वैश्विक महामारी के चलते छात्रों को परीक्षा देने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

उन्होंने जिलाधिकारी से निवेदन कर कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उक्त संबंध में उचित कार्यवाई करने की जरूरत है अन्यथा एनएसयूआई को ठोस कदम उठाने के लिए मजबूर होना पडेगा। इस अवसर पर छात्र नेता वाशु शर्मा,उदित थपलियाल आदि उपस्थित थे।

रामगढ़िया सभा ने घरों में बनाए कॉटन के मॉस्क बांटे

संवाददाता देहरादून। रामगढ़िया सभा के तत्वावधान में रामगढ़िया बिरादरी की महिलाओं ने अपने घरों में बनाए कॉटन के 300 मॉस्कों को जरूरत मंदों को वितरित किए। इस अवसर पर बताया गया कि मगढ़िया सभा एक सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है जिसका एक उद्देश्य निर्धन एवं जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान करना है। कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण के चलते लॉकडाउन में सभी को मास्क पहनना आवश्यक होने के कारण बिरादरी की महिलाएं जो सिलाई जानती है स्वेच्छा से अपना सहयोग प्रदान कर सेवा का कार्य कर रही है। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष सुरजीत सिंह ने कहा कि सभा समय–समय पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं धार्मिक दीवानों का आयोजन रामगढ़िया भवन में आयोजित करती रहती है।

इस अवसर पर सचिव सेवा सिंह मठारू ने कहा कि सभा अब तक करीब एक हजार तक मॉस्क वितरित कर चुकी है। जिनको भी मॉस्क चाहिए उनको सभा निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि लगातार इस प्रकार के सेवा कार्यों के साथ ही साथ राशन एवं भोजन की भी व्यवस्था जरूरतमंदों, असहायों, गरीबों एवं मजदूरों को की जा रही है।